# भूविज्ञान के क्षेत्र में उज़्बेक भू-वैज्ञानिक टीम के प्रशिक्षण और क्षमता सृजन के लिए भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण और उज़्बेक भूवैज्ञानिक टीम के बीच द्विपक्षीय बैठक पर टिप्पणी

# Note on Bilateral Meeting between GSI and Uzbek Geo-Scientific Team for latter's training and capacity building in the domains of Geology

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के वरिष्ठ अधिकारियों एवं उज्बेकिस्तान गणराज्य के विज्ञान तथा खनिज संसाधन हेतु राज्य समिति के बीच वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से दिनांक 15.09.2021 को भारतीय समयानुसार प्रातः 11:30 बजे पहली इंटरएक्टिव बैठक संपन्न हुई। यह बैठक उज़्बेकिस्तान भूविज्ञान के क्षमता सृजन एवं प्रशिक्षण आवश्यकताओं के बारे में विचार विमर्श करने हेतु भाभूस प्रशिक्षण संस्थान द्वारा आयोजित की गई। इस बैठक में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के कोलकाता एवं हैदराबाद से वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित हुए।

इस बैठक में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण की तरफ से डॉ. एस पी शुक्ला, उप महानिदेशक एवं श्री इंद्रनील चक्रवर्ती, निदेशक, अंतरराष्ट्रीय मामले प्रभाग, कोलकाता एवं श्री सीएच. वेंकटेश्वर राव, उप महानिदेशक एवं प्रमुख मिशन V तथा डॉ. बिभास सेन, निदेशक, योजना एवं कार्यक्रम, प्रशिक्षण संस्थान, हैदराबाद उपस्थित रहे। उज़्बेकिस्तान पक्ष का प्रतिनिधित्व डॉ. डालिमोव नुमोनबेक, मुख्य विशेषज्ञ, विज्ञान और नवाचार विभाग, राज्य भूविज्ञान समिति, उज़्बेकिस्तान; श्री इमोम सालिमोव, भारत में उज़्बेकिस्तान दूतावास में परामर्शदाता के साथ साथ श्री फ़ज़लिद्दीन एनोरबॉयव और राज्य भूविज्ञान के अन्य भूवैज्ञानिकों द्वारा किया गया।

उज्बेकिस्तान की प्रशिक्षण आवश्यकताओं के बारे में विभिन्न विषयों जैसे सुदूर संवेदन एवं अंकीय बिम्ब प्रक्रमण, भूवैज्ञानिक अध्ययन एवं भूआपदा संभाव्यता हेतु जीआईएस प्रौद्योगिकी पर विस्तृत चर्चाएं की गई। प्रशिक्षण के विभिन्न पहलुओं जैसे प्रतिभागियों की संख्या, प्रशिक्षण की अवधि एवं प्रशिक्षण का माध्यम आदि पर सकारात्मक प्रतिक्रिया मिलने के उपरांत भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण प्रशिक्षण संस्थान द्वारा शैलिकी में प्रदान किए जाने वाले प्रशिक्षण के बारे में उज़्बेकिस्तान की ओर से पूछताछ की गई। भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण ने उज्बेकिस्तान टीम को यह आश्वासन दिया कि उज्बेकिस्तान भूवैज्ञानिक विशेषज्ञों की आवश्यकता के अनुरूप प्रशिक्षण को रूपंकित किया जाएगा।

यह द्विपक्षीय वार्ता भाभूस प्रशिक्षण संस्थान द्वारा भूविज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों में उज़्बेक भूवैज्ञानिकों के प्रशिक्षण का मार्ग प्रशस्त करेगी। भाभूस प्रशिक्षण संस्थान वर्ष 1979 से भूविज्ञान के क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय प्रतिभागियों के प्रशिक्षण और क्षमता सृजन गतिविधियों में अग्रणी रहा है। विदेश मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित भारतीय तकनीकी एवं आर्थिक सहयोग (ITEC)/अफ्रीकी देशों के लिए विशेष राष्ट्रमंडल सहायता (SCAAP) के तत्वावधन में अब तक भाभूस प्रशिक्षण संस्थान द्वारा 71 से अधिक देशों के 466 प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया गया है।

The First Interactive meeting between senior officers of Geological Survey of India (GSI) and the representatives of the State Committee for Geology and Mineral Resources, the Republic of Uzbekistan was held through videoconferencing on 15-09-2021 at 11.30 hrs (IST). This was held to discuss about the training requirements and capacity building of the Uzbek geoscientists by GSI Training Institute. The meeting was attended by senior officers of Geological Survey of India from Kolkata and Hyderabad.

From GSI side, the meeting was attended by Dr. S P Shukla, Deputy Director General and Shri Indranil Chakraborty, Director of International Affairs Division, Kolkata and Shri Ch.

Venkateswara Rao, Deputy Director General & Head Mission-V and Dr. Bibhas Sen, Director, Planning & Programming of Training Institute, Hyderabad. Uzbekistan side was represented by Dr. Dalimov Numonbek, Chief Specialist of Department of Science and Innovation, State Geology Committee, Uzbekistan, Mr. Imom Salimov, Counsellor in the Embassy of Uzbekistan in India along with Mr. Fazliddin Anorboyev and other geoscientists of State Geology Committee, Uzbekistan.

Elaborated discussions were held on the training requirements placed by the Uzbek team on the themes of. *Remote Sensing & Digital Image Processing; GIS technologies for Geoscientific studies and Geo-Hazard Susceptibility.* Upon receiving a positive response on the different aspects of training including number of participants, duration and mode of the delivery, Uzbekistan side enquired further about training programmes offered by GSI Training Institute (GSITI) on Petrology. GSI assured the Uzbek team that the requisitioned training programmes will be customized as per the need of the Uzbek Geo-scientific specialists.

This bilateral interaction will pave way for training of Uzbek Geo-scientists by GSITI in different fields of Geology. GSITI has been in forefront in the training and capacity building activities of the International participants in the field of Geo-sciences since 1979. Till date 466 participants from more than 71 countries have been trained by GSTI under the aegis of Indian Technical and Economic Cooperation (ITEC) / Special Commonwealth Assistance for African Countries (SCAAP) programmes sponsored by the Ministry of External Affairs, Govt. of India.

## Glimpses of the Activity

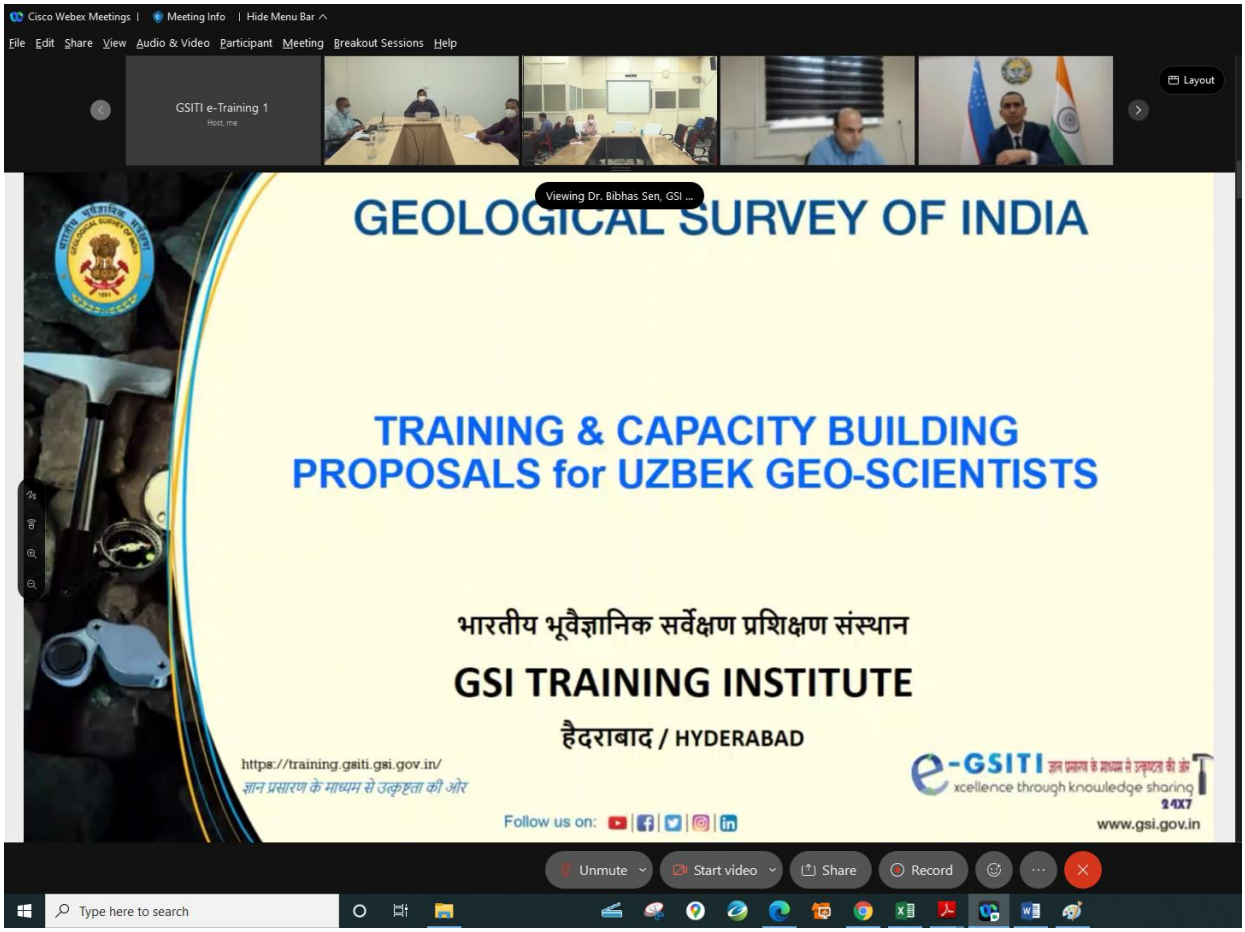

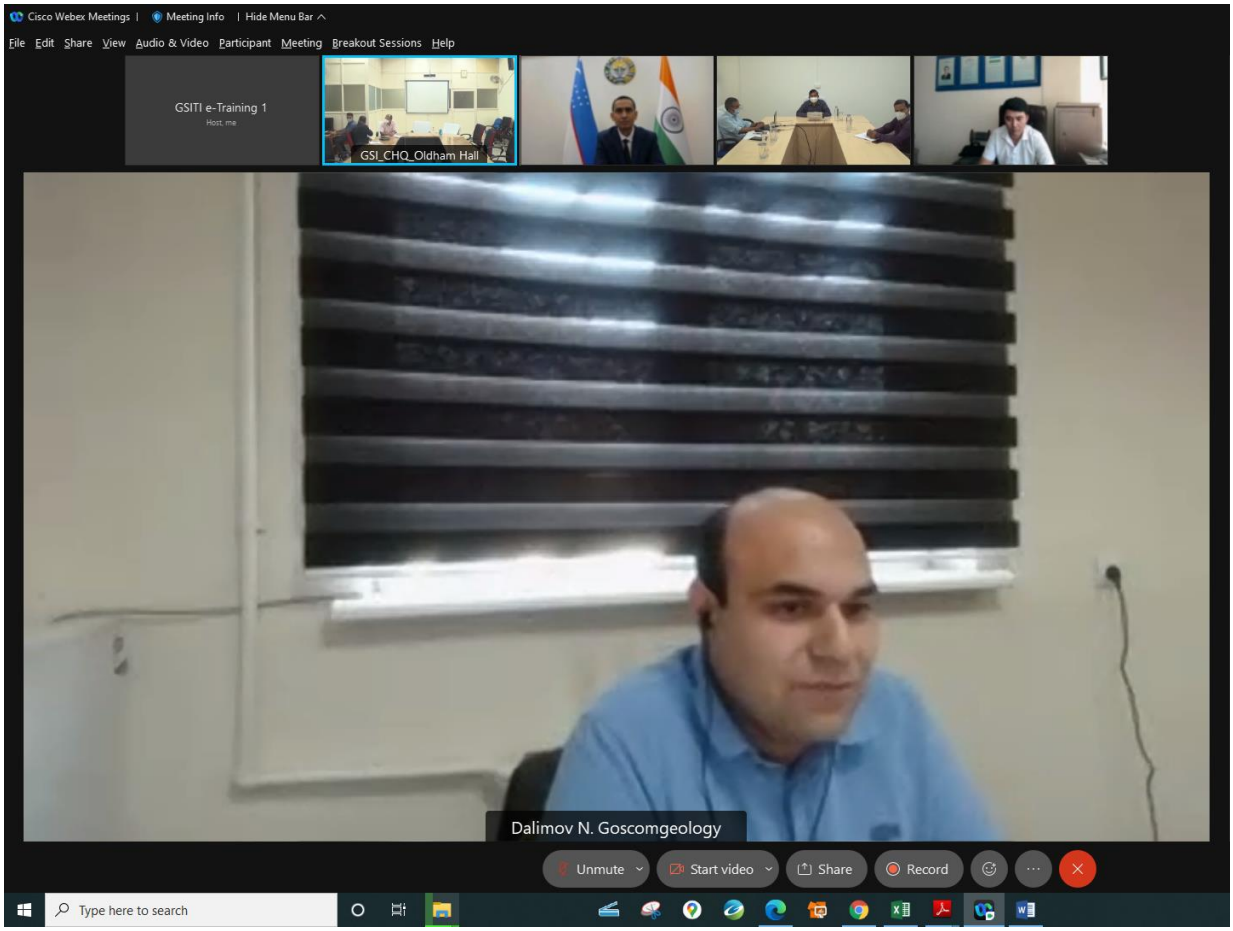
Cisco Webex Meetings
Meeting Info
Hide Menu Bar
File Edit Share View Audio & Video Participant Meeting Breakout Sessions Help
GSITI e-Training 1
Host, me
GSI_CHQ_Oldham Hall
Dalimov N. Goscomgeology
Unmute
Start video
Share
Record
Type here to search

Cisco Webex Meetings
Meeting Info
Hide Menu Bar
File Edit Share View Audio & Video Participant Meeting Breakout Sessions Help
GSITI e-Training 1
Host, me
GSI_CHQ_Oldham Hall
Unmute
Start video
Share
Record
Type here to search

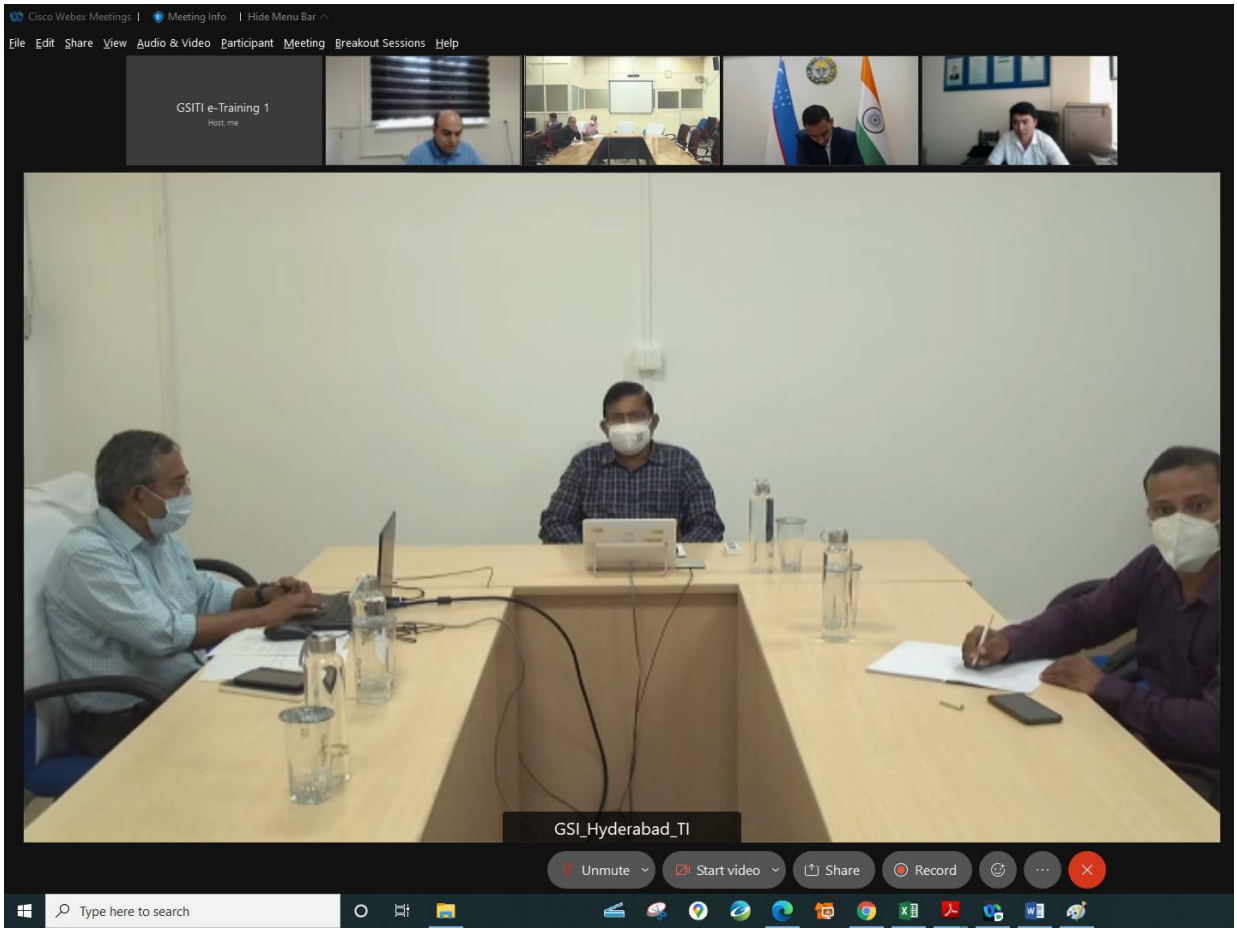
Cisco Webex Meetings
Meeting Info
Hide Menu Bar
File Edit Share View Audio & Video Participant Meeting Breakout Sessions Help
GSITI e-Training 1
Host, me
GSI_Hyderabad_TI
Unmute
Start video
Share
Record
Type here to search

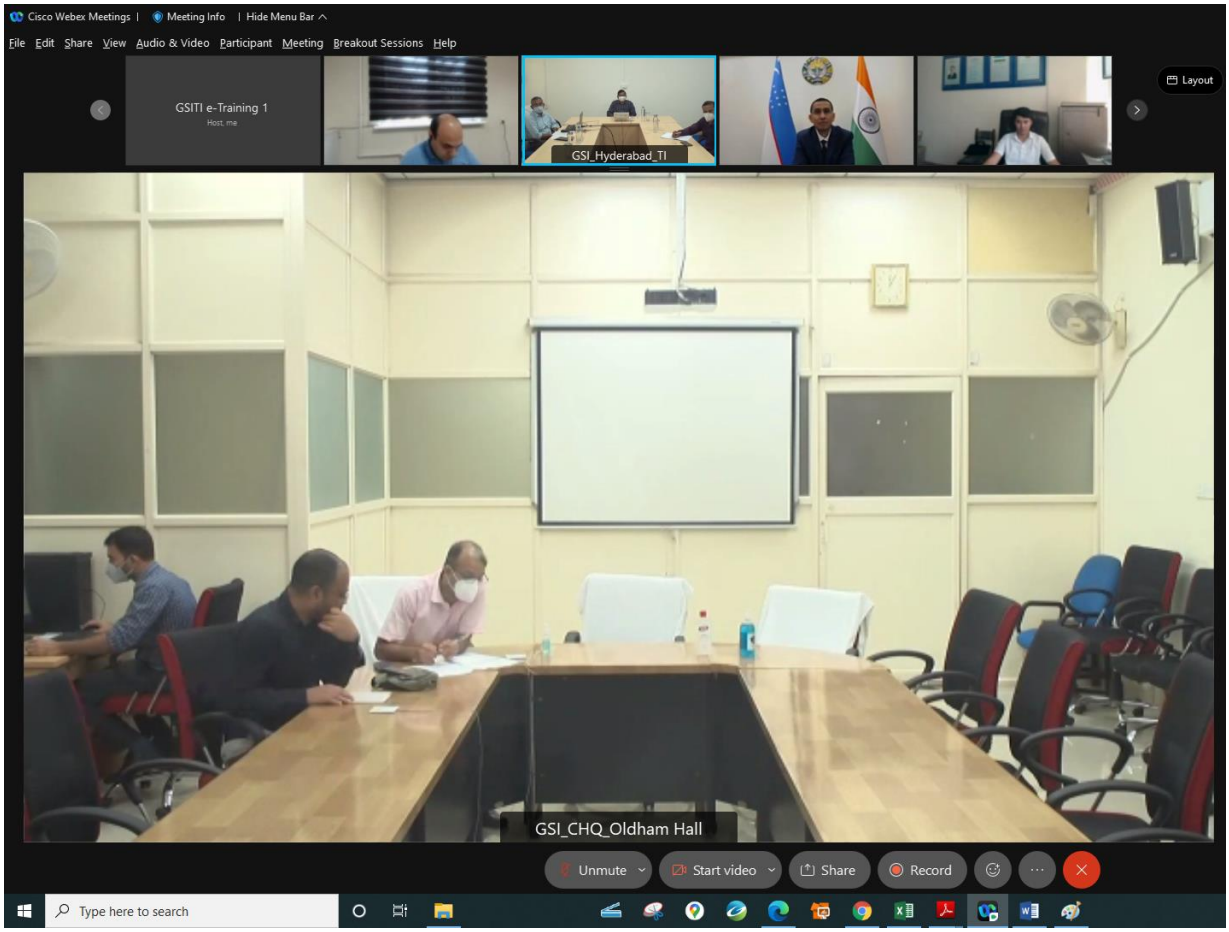
Cisco Webex Meetings
Meeting Info
Hide Menu Bar
File Edit Share View Audio & Video Participant Meeting Breakout Sessions Help
GSITI e-Training 1
Host, me
GSI_Hyderabad_TI
Layout
GSI_CHQ_Oldham Hall
Unmute
Start video
Share
Record
Type here to search